DEPARTMENT OF HINDI
SREE SANKARACHARYA UNIVERSITY OF SANSKRIT
(A Statutory Institution constituted by Government of Kerala)
ACCREDITED BY NAAC WITH 'A' GRADE
KALADY, KERALA - 683 574. Phone : 0484-2463380-215

SYLLABUS

FOR

MPHIL

IN

HINDI LANGUAGE AND LITRATURE

Name of the Programme : Mphil in Hindi Language and Literature

Duration : 1 year-2 Semester

Objectives:

1. Understanding the procedure of Research Methodology
2. Learning the current trends in Hindi Literature
3. Increase the domain of knowledge in the area of research

Scheme of the Programme and Examination

The Department offers credit system in Mphil in Hindi Language and Literature. The duration of the Programme is 2 semesters with 24 credits. There will be 3 courses in first Semester each carrying 4credits(Total 12) and a submission of dissertation carrying 12 credits. The system of evaluation will be a combination of internal and external examination. 50% of the credits will be for internal evaluation and 50% of the credits will be for end semester examination conducted by an external an external evaluation system. These programmes will be based on 9 point grading system. 80% of attendance is must for attending exams.

Scheme of the Programme and Examination

6 out of 10 questions will be answered for all the three papers in first semester.

एमफिल:सेमस्टर-**1**

MPhil – Semester-1

पर्चा **– 1** शोधप्रविधि RESERCH METHODOLOGY

क्रडिट्स-**4**

इकाई1. शोध:प्रकृति,उद्देश्य-परिभाषा:हिन्दी में शोध केलिए प्रयुक्त शब्द , शोध संबंधी दृष्टिकोण-शोध एवं आलोचना-समानताएँ एवं अन्तर -मनुष्य के ज्ञान एवं बुद्धि के विकास में शोध का महत्व -ज्ञान एवं चिन्त न-चिन्तन एवं मानव का विकास – विभिन्न प्रकार के चिन्तन -शोध में चिन्तन का महत्व -शोध का लक्ष्य: नए तथ्य एवं सत्य प्राप्त करने की जिज्ञासा-प्राप्त तथ्यों एवं सिद्धांतों की नयी व्याख्याएँ-मानवीय ज्ञान एवं समझ के क्षेत्र का विस्तार।

इकाई-2 : शोध एवं शोधार्थी -शोधार्थी की योग्यताएँ -सूक्ष्म निरीक्षण एवं वस्तुनिष्ठ चिन्तन - वैज्ञानिक दृष्टि- तर्क सम्मत विचार-बौद्धिक ईमानदारी- स्पष्टता-निष्कर्ष।

इकाई-:3: शोध के प्रकार-ऐतिहासिक-सौंदर्यशास्त्रीय-मनोवैज्ञानिक-समाजशास्त्रीय- मिथकीय- शैलीविज्ञानीय- तुलनात्मक भाषावैज्ञानिक- व्याकरणिक- पारिस्थितिकी

इकाई-4: शोध की प्रक्रिया -शोध का क्षेत्र निर्धारण -विषय का चुनाव -विषय चुना व के आधार-उद्धेश्य-पूर्वकल्पना-सामग्री संकलन - विशलेषण- प्रामाणीकरण-पूर्वकल्पना में आवश्यक परिवर्तन-निष्कर्षपरपहुँचना-शोधप्रबन्धकीप्रस्तुति।

इकाई-5 : साहित्यिक शोधकी प्रतिनिधि-विषय काचुनाव -विषय संबंधी जानकारी -विषय के स्वरूप का ज्ञान-रूपरेखा की तैयारी-पुस्तकालय का उपयोग-कामकाजी पुस्तक सूची तैयार करना-सामग्री के स्रोत-सामग्री संकलन-सामग्री की विविधता-सामग्री की समस्याएँ- सामग्री संकलन की रीति -नोट्स लेना-कार्ड्स का प्रयोग -सामग्री की कोटियाँ - सामग्री का संयोजन -प्रथम आलेख -विषय-विवेचन-पादटिप्पणी-उपसंहार-सहायक संदर्भसूची।

इकाई-6: तुलनात्मक साहित्य का शोध -तुलनात्मक शोध के विभिन्न प्रकार -महत्व-विशेषताएँ-समस्याएँ।

इकाई7: शोध रपट -शोधपत्र-उसका रूप एवं आदर्शरूप -सामान्य न्यूनताएँ -न्यूनताएँ दूर करने का मार्ग-शोध –पत्र में स्वीकृत भाषा एवं शैली।

संदर्भग्रन्थ

1. साहित्य अनुसन्धान के आयाम –रवीन्द्र कुमार जैन
2. हिन्दी अनुसन्धान के आयाम -सं. रजूरकर, राजमल बोरा , नेशनल पब्लिकेशन , हाउस, दिल्ली
3. शोध और सिद्धांत -नगेन्द्र, नेशनल पब्लिकेशिंग हाऊस दिल्ली
4. हिन्दी अनुसन्धान:स्वरूप और विकास - सं. रजूरकर, राजमल वोरा, नेशनल, दिल्ली।
5. शोधप्रविधि -आचार्य विनयमोहन शर्मा
6. शोध संदर्भ -गिरिजा शरण अगरवाल
7. नवीन शोध विज्ञान -तिलक सिंह
8. शोध: स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि-वैजनाथ सिंहल, वाणी,नईदिल्ली
9. शोध:प्रविधि और प्रक्रिया –चन्द्रभान रावत एवं खण्डेलवाल
10. हिन्दी शोध तन्त्र कीरूपरेखा हरमोहर सहल
11. शोध तन्त्र के सिद्धांत -शैलकुमारी
12. साहित्य शोध के सिद्धांत -सिंघल
13. हिन्दी अनुसंधान-विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड सन्स, नईदिल्ली
14. अनुसन्धान की प्रक्रिया-सावित्री सिन्हा, विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
15. साहित्यिक अनुसन्धान के प्रतिमान -देवराज उपाध्याय
16. अनुसंधान और आलोचना – नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
17. अध्ययन और अन्वेषण – देवराज उपाध्याय
18. अनुसन्धान की प्रक्रिया हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
19. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – उदयभानु सिंह, हरभजन सिंह नेशनल पब्लिशिंग हाऊस
20. शोधप्रविधि - मैथिली प्रसाद भारद्वाज, आधार प्रकाशन, पंचकूला
21. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका –इन्द्रनाथ चौधरी
22. तुलनात्मक साहित्य - नगेन्द्र
23. शोध – विजयपाल सिंह
24. सामाजिक विज्ञानों की शोध पद्धतियाँ - सत्यदेव, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, चण्डीगढ।
25. तुलनात्मक अनुसन्धान और उसकी समस्याएं –सरगू कृष्णमूर्ति एवं गलमारसूल , हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ
26. एम.एल.ए.हेन्ड बुक फॉर राइटर्स ऑफ रिसर्च पेपर्स –जोसफ गिबालडी , एफिलियेटड ईस्ट-वेस्ट प्रेस प्राइवट लिमिटड, नईदिल्ली
27. राइटिंगए थीसिस -वाटर एस एक्टर्स
28. थि स्ट्रटजी ऑफ रिसर्च – सर जॉर्ज पी थॉमसन
29. इन्ट्रोडकशन ऑफ रिसर्च – हिलवे आइरस, हूग्टन मिफिन कंपनी, बोस्टन।

MAIN TRENDS OF HINDI LITERATURE SINCE 1947

स्वातंत्र्योत्तरहिन्दीसाहित्यकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ

MPhil Paper-II क्रडिट -4

इकाई 1. हिन्दीकविता:आधुनिककविता का आरंभ - सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि -पाश्चात्य चिंतन का प्रभाव -आधुनिकता की परिकल्पना - प्रयोगशील कविता -सप्तक परम्परा - प्रमुख प्रवृत्तियाँ -प्रमुख कवि -नयी कविता - अकविता-जनवादी कविता -विचारशील कविता -समकालीन कविता -प्रमुख प्रवृत्तियाँ और कवि-दलित कविता एवं कवि।

इकाई 2. हिन्दी कहानी :- स्वतंत्रता और उसका प्रभाव - नई कहानी : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं लेखक- नई कहानी का शिल्प - आंचलिक कहानी- साठोत्तर कहानी -समकालीन कहानी-समांतर कहानी - सचेतन कहानी - सक्रिय कहानी - सहज कहानी - समकालीन कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - स्त्री कहानी - दलित कहानी -वैश्वीकरण का प्रभाव-प्रमुख कहानीकार।

इकाई 3. हिन्दी उपन्यास :- प्रेमचन्द परंपरा के स्वातंत्र्योत्तर उपन्यासकार -नई प्रवृत्तियाँ - ऐतिहासिक उपन्यास - आधुनकिता और उसकी अवधारणायें एवं विशेषतायें - अस्तित्ववाद- आंचलिक य थार्थ- मूल्य पिरवर्तन - मानवीय अर्थवत्ता -राजनीतिक परिदृश्य- प्रमुख उपन्यासकार- दलित, सांप्रदायिकता विरोध-उपनिवेशवाद विरोध की प्रवृत्तियाँ-प्रमुख उपन्यासकार और उपन्यास।

इकाई 4. हिन्दी नाटक :- स्वातंत्र्योत्तर नाटक परपूर्ववर्ती प्रभाव , स्वातंत्र्योत्तर नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियाँ -आधुनिकता के आलोक में यथार्थ -कथ्यगत एवं शिल्पगत नए प्रयोग-मिथक-इतिहास-असंगत आदि-नए नाटककार-मानवीय संबंधों का अंकन - उसके आयाम -राजनीतिक नाटक -दलित चेतना -स्त्रीवादी चेतना -नाटककार एवं नाट्यरचनायें।

इकाई 5. हिन्दी आलोचना -शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना प्रमुख आलोचक :- नन्द दुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ.नगेन्द्र-सौन्दर्य दृष्टि और सामाजिक अवधारणा। प्रगतिवादी आलोचना, नयी समीक्षा, सौन्दर्य शास्त्रीय आलोचना, मनोविश्लेषणात्मक आलोचना, समाज शास्त्रीय आलोचना , मिथकीय आलोचना , शैली वैज्ञानिक आलोचना, अन्त:अनुशासनीय आलोचना , हिन्दी आलोचना पर भारतीय काव्यशास्त्र का प्रभाव। हिन्दी आलोचना पर पश्चिमी साहित्य-सिद्धान्तों का प्रभाव, संरचनावाद, उत्तर सरंचनावाद , विखंडनवाद, पाठक केन्द्रित आलोचनान व मार्क्सवाद । चर्चित हस्ताक्षर -सस्यूर, रोमन जैकोब्सान , लेवीस्ट्राँस, बार्थ जैकलकान, फूको, फ्रेडरिक जेम्सन , देरीदा, टेरी ईगिलेटन , अलथूसर, चाँम्स्की, एडवर्डसाईद।

सन्दर्भग्रन्थ

1. हिन्दी आलोचना का विकास – नन्द किशोर नवल
2. आलोचना के आगे – सुधीश पचौरी
3. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली - अमरनाथ
4. उत्तर आधुनिक सौन्दर्या शास्त्र और द्वंद्ववाद –राजेश्वर सक्सेना
5. मार्केज़:जादुई यथार्थवाद का जादूगर – प्रभात रंजन
6. संस्कृति उद्योग - टी.डब्ल्यू एडर्नो
7. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी
8. सांस्कृतिक और राजनीतिक चिन्तन के बुनियादी सरोकार - अंतोनियोग्राम्शी
9. आलोचना और विचारधारा – नामवर सिंह
10. आलोचना की सामाजिकता – मानेजर पाण्डेय

Elective course of M.Phil

SAMAJ SASTHREEY ALOCHANA

समाजशास्त्रीयआलाचेना

क्रेडिट-4

इकाई 1. रचना और आलोचना का अंत:संबंध

इकाई 2. हिन्दी आलोचना की प्रणालियाँ :- शास्त्रीय, मनोविश्लेषणात्मक, सौंदर्य शास्त्रीय प्रगतिवादी, मिथकीय, शैलीवैज्ञानिक एवं अन्त:अनुशासनीय आलोचना।

इकाई 3. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, विखंडनवाद, नवमार्क्सवाद, पाठक-केन्द्रित आलोचना

इकाई 4. कृति, कृतिकार, पाठक एवं सामाजिक सरंचना के मध्य संबंध-साहित्य का समाज शास्त्रीय अध्ययन-प्रमुख विचारक-गोल्डमैन, ग्रामशी, अडोनों, रेंमडविलियम्स एडवर्ड़ साईद।

इकाई 5. हिन्दी में समाजशास्त्रीय आलोचना का विकास- मार्क्सवादी आलोचको की भूमिका-रामविलास शर्मा-मुक्तिबोध-विश्वम्भरनाथ उपाध्याय-रमेश कुंतल मेघ, शिवकुमार मिश्र, रामदरश मिश्र, नामवर सिंह, मैनेजर पांडेय।

सहायकग्रंथ

1. हिन्दी आलोचना का विकास –नन्द किशार नवल, राजकमल प्रकाशन
2. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावादएवं प्राच्य काव्यशास्त्र –गोपीचंद नारंग, केन्द्रीय साहित्य अकादमी
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र:नई प्रवृत्तियाँ – राजनाथ राजकमल प्रकाशन
4. नई समीक्षा - अमृतराय, हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, बनारस
5. आलोचना और आलोचना – इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती
6. हिन्दी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन
7. समकालीन हिन्दी समीक्षा- हुकुमचंद राजाल, वाणी प्रकाशन
8. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन
9. मार्क्सवादी, समाज शास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना –पांडेय शशिभूषण शीतंशू, राधा कृष्ण प्रकाशन
10. साहित्य का समाजशास्त्र –बच्चन सिंह लोकभारती, प्रकाशन
11. रचना और आलोचना की द्वंद्वात्मकता – कमला प्रसाद ,वाणीप्रकाशन
12. साहित्य की सामाजिकता - मिथिलेश्वर, शिल्पायन प्रकाशन
13. सुंदर का स्वप्न - अपूर्वानंद, वाणी प्रकाशन
14. समाजवाद: भारतीय जनता का संघर्ष – अयोध्या सिंह, अनामिका पब्लिशर्स
15. साहित्य और सामाजिक परिवर्तन - सं. बद्री नारायण, अनन्तराम मिश्रवाणी प्रकाशन
16. आलोचना की ज़मीन – विनोद शाही, आधार प्रकाशन
17. आलोचना का जनतंत्र - देवेंद्रचौबे, आधार प्रकाशन
18. यथार्थवाद – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन
19. संकट के बावजूद – मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन
20. कला साहित्य और संस्कृति - माओ-त्से-तुंग, सं. शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन
21. कला साहित्य और संस्कृति - लू-शून, सं. कर्णा सिंह चौहान, वाणी प्रकाशन
22. कला साहित्य और संस्कृति - ई. एम.एस,वाणी प्रकाशन

23. Structuralism in literature : An Introduction Scholar Robert, Yale uty Press
24. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका –मैनेजर पांडेय, हरियाणा साहत्य अकादमी
25. मर्क्सिज्म एंड लिटररी क्रिटिसिज़्म - टेरीईगिल्टन, मैथुइन एंड कंपनी, लंदन
26. अंतोनियोग्राम्शी डेविड और ज्योफ्री नोबेल सेलेक्शंस फ्राम कल्चरल राइटिंग्स लारेंस एंड विसहार्ट, लंदन

Elective course of MPhil

DALIT STUDY

दलित विमर्श क्रेडिट-4

इकाई 1. दलित की अवधारणा - सर्वहारा एवं द लित- दलित अर्थ एवं परिभाषा -भारत के प्रमुख दलित आन्दोलन - आत्म सम्मन आन्दोलन -आदि धर्म आन्दोलन -नाम शूद्र आन्दोलन- सतनामी आन्दोलन- सामाजिक सुधार आन्दोलन -हरिजन आन्दोलन- दलित पैंथर आन्दोलन -कांशीराम का आन्दोलन।रातनीति और दलित - बहिष्कृत हितकारिणी सभा - गोल- मेज़ परिषद और कम्यूनल अवार्ड। इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी-बहुजन समाज पार्टी।

इकाई 2. दलित समस्या एवं संवेदना- इतिहास एवं परंपरा-दलित एवं समाज-दलित एवं धर्म-दलित एवं आर्थिक क्षेत्र-दलित नारी की दोहरी समस्यायें।

इकाई 3. दलितों के प्रति विविध दृष्टिकोण-गाँधी-अम्बेडकर-मार्क्स-भूमंडलीकरण का सन्दर्भ एवं दलित।

इकाई 4. दलित साहित्य की अवधारणा-दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र-अस्मिता की पहचान-विद्रोही स्वर।

कृतिपाठ:-मुक्तिपर्व, मोहनदास नैमिशराय

सहायकग्रन्थ

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र-ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. दलितचेतना: साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार-रमणिका गुप्ता, समीक्षा पब्लिकेशन्स, रघुवर पुरा, गाँधी नगर, दिल्ली
3. दलित साहित्य आन्दोलन-डॉ. चन्द्रकुमार वरठे, रचना प्रकाशन, 57, नाटाणी भवन्, चाँद पोल बाज़ार, बयपुर
4. दलित हस्तक्षेप-रमणिका गुप्ता, डॉ.ओमप्रकाश वाल्मीकि, शिल्पायन प्रकशशन, नई दिल्ली
5. दूसरी दुनिया का यथार्थ – रमणिका गुप्ता, नवलेखन प्रकाशन , हज़ारी बाग बीहार,
6. हरिजन से दलित- राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. दलित कहानी संचयन – साहित्य अकादमी प्रधान कार्यलय, रवीन्द्र भवन, फिरोज़ शाह मार्ग
8. कहानी चयन 1996 - डॅ. पुष्पापाल सिंह, अभिरुचि प्रकाशन, नई दिल्ली
9. मुख्य धारा और दलित साहित्य – ओमप्रकश वाल्मीकि-सामयिक प्रकाशन, दरियांगज नईदिल्ली
10. दलित लेखन का अन्तर्विरोध - डॉ. रामकल सर्राफ, शिल्पायन दिल्ली
11. आधुनिक भारत में पिछडावर्ग-संजीव खुशवाह, शिल्पायन, शादश, नई दिल्ली
12. अब मुरखन हीं बनेंगे हम – रमणिका गुप्ता, अभिरुचि प्रकाशन,दिल्ली
13. गूंगान हीं थामें –जयप्रकाश कर्दम, सागर प्रकाशन,दिल्ली
14. बस्स बहुत हो चुका- ओम प्रकश वाल्मीकि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. सदियों का संताप – ओमप्रकाश वाल्मीकि, गौंतम बुकसेंटर,दिल्ली

16. पीड़ा जो चीख उठी- कुसुम वियोगी, भारतीय दलित साहित्य मंच, दिल्ली
17. दर्द के दस्ताक्षेप- एन.सिंह, आनंद साहित्य सदन,आलीगढ

Elective course for MPhil-

FEMINISM

स्त्री विमर्श

क्रेडिट-4

इकाई 1. स्त्री विमर्श – अवधारणायें भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण। स्त्री अस्मिता की चुनौतियाँ।

इकाई 2. स्त्री वाद के विभिन्न स्कूल – लिबरल फेमिनिज्म – रैडिकल फेमिनिज्म –मार्क्सिस्ट फेमिनिज्म – सोश्यलिस्ट फेमिनिज्म - इको-फेमिनिज्म।

इकाई 3. हिन्दी में स्त्री वाद - इतिहास-शिक्षा की भूमिका-आर्थिक स्वावलंबन - महिला (मानव) अधिकार -आरक्षण।स्वतंत्रा पूर्वकाल - स्वातंत्र्योत्तरकाल – समकालीन संदर्भ।

इकाई 4 . कृति पाठ

1. ईहामृग (मीराकांत) नाटक
2. एकभूत पूर्व नगर वधु की दुर्गपति से प्रार्थना (कात्यायनी) कविता
3. हरी बिन्दी (मृणालपांडे) कहानी
4. उलटबासी (कविता) कहानी

संदर्भग्रंथ

1. दुर्गद्धार पर दस्तक - कात्यायनी
2. उपनिवेश में स्त्री - प्रभाखेतान
3. बाधाओं के बावजूद – उषा महाजन
4. स्त्रीत्व का उत्सव - राजकिशोर
5. खुली खिडकियाँ – मैत्रेयी पुष्पा
6. आधी दुनिया का सच - कुमुदशर्मा
7. स्त्रीत्व का मानचित्र - अनामिका
8. स्त्री विमर्श – रमणिका गुप्ता
9. औरत-अस्तित्व और अस्मिता -" अरविन्दजैन
10. आज़ाद और कितनी आज़ाद - सं. शैलेन्द्र कुमार, रजनी गुप्ता
11. जहाँ स्त्री गढ़ी जाती है – मृणाल पाण्डे
12. स्त्रियों की पराधीनता जानस्टुअर्ट मिल
13. स्त्री चिन्तन की चुनौतियाँ – रेखा कस्तवार
14. औरत इतिहास रचा है तुमने – कुसुम त्रिपाठी
15. स्त्रीवादी विमर्श समाज और साहित्य – क्षमा शर्मा
16. स्त्री सरोकार -अशारानी ब्होरा
17. आधा साहित्य का इतिहास – सुमन राजे
18. नाग पाश में स्त्री - सं. गीताश्री
19. स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार
20. मोर्चे पर स्त्री – अंजु दुआ दैमिनी

Elective Course for MPhil

उपनिवेशवादऔरउसकागाँधीप्रतिरोध

क्रेडिट-4

इकाई 1. भूमिका -उपनिवेशवाद – भारत में उपनिवेश वाद – व्यापारी से राजनीतिज्ञ - उपनिवेशन का नैरंतर्य - राष्ट्रीय स्वंतंत्रता आन्दोलन और उपनिवेश वाद विरोध - उपनिवेशवाद के औजार - भूमंडलीकरण।

इकाई 2. समकालीन,सामाजिक,राजनीतिक,सांस्कृतिक परिदृश्य -शहरीकरण, आधुनिक सभ्यता- उपभोक्तवाद, पारिस्थितिकी-सांप्रदायिकता एवं अन्य।

इकाई 3. गाँधी: नई व्याख्यायें - एक विचार एवं आस्था -हिन्द स्वराज -स्वदेशी चरखा -हिन्दी मनष्यता-धर्म निरपेक्षता-राम-नैतिकता।

इकाई 4. कृति अध्ययन-कलिकथा वाया बाइपास (अलकासरावगी)

संदर्भग्रंथ

1. Collected works of M.K Gandhi
2. Studies in Gandhism – Nirmal kumar Bose
3. Mahathma Gandhi and new Economic policy – P.C Joshi
4. Rediscovering Gandhi – Yogesh Chandha
5. Gandhi and 21st Century – Ed. Janardhan Pandey
6. Mahatma Gandhi : 125 years – Ed. B.R Nanda
7. Essays on Gandhian Socio-Economic thoughts – L.M Bhole
8. Hindi Swaraj and Other writings – Antony J Parle
9. Essays on Colonialism – Bipin Chandra
10. Culture and Imperialism – Edward W.Said
11. Post Colonial Theory :a Critical Introduction – Leela Gandhi
12. Mahatma Gandhi:A study in Indian Nationalism – Romian Rolland
13. भारत का भूमंडलीकरण - सं. अभयकुमार दुबे
14. भारत में राजनीति कल और आज (रजनी कोठारी) सं. अभयकुमार दुबे
15. विकल्पहीन नहीं है दुनिया – किशन पटनायक
16. आत्म परिचय – फणीश्वरनाथ रेणु
17. मार्क्स, गाँधी और समसामयिक संदर्भ - गणेशमंत्री
18. गाँधी और अंबेदकर – गणेश मंत्री
19. गाँधी के देश में – सुधीर चन्द्र
20. दूसरे शब्दों में – निर्मल वर्मा
21. स्वप्न और यथार्थ – पुरनचंद जोशी
22. संस्कृति वर्चस्व एवं प्रतिरोध – पुरुषोत्तम अग्रवाल
23. गाँधी का अहिंसात्मक इनक्लाब और हिन्द स्वराज - सं. विनोद शाही
24. परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम – पुरनचन्द जोशी
25. गाँधी और उसके आलोचक – बलराम नन्दा
26. आज़ादी की कहानी – मौलाना आजाद
27. धरती की पुकार – सुन्दरलाल बहुगुणा

28. भूमंडलीकरण की चुनौतियाँ – सच्चिदानन्द सिन्हा
29. विकास का समाजशास्त्र – श्यामचरण दुबे
30. सामाजिक क्रांति के दस्तावेज़ - सं.शंभुनाथ

Elective Course for M.phil

ECO-STUDY

पारिस्थितिकपाठ

क्रेडिट-4

इकाई 1. पारिस्थिति की एवं पर्यावरण – पारिस्थितिकी एवं जीव विज्ञान -पारिस्थिति की के प्रति मनुष्य का बदलता दृष्टिकोण - पाश्चात्य एवं पौरस्थ्य रूख -प्रकृति का शिक्षक परिचालक के रूप में।

इकाई 2. पारिस्थितिकी के प्रमुख सिद्धांत -मार्क्स एवं पारिस्थितिक चिंतन -एंगल्स का पारिस्थितिक चिंतन-गाँधी एवं पारिस्थितिक चिंतन-पारिस्थितिक नारीवाद।

इकाई 3. मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति के एक हिस्से के रूप में – ग्रीनपोलिटिक्स-शाकाहारिता-विकास एवं पारिस्थितिकी का द्वंद्व-जल ज़मीन एवं जंगल की राजनीति-प्रकृति के संरक्षण से जुड़े विविध आंन्दोलन -आधुनिकीकरण – औद्योगीकरण एवं पारिस्थितिकी -भूमंडलीकरण, उदारीकरण, बाज़ारवाद और पारिस्थितिकी।

इकाई 4. पारिस्थितिक सौन्दर्यशास्त्र एक परिचय -प्रकृति, समाज, संस्कृति और इतिहास का परस्पर संबंध -अपनी पहचान का सौन्दर्य शास्त्र ,प्रतिशोध का सौन्दर्य शास्त्र -पारिस्थितिक लावण्य का सौन्दर्यशास्त्र -प्रकृति और जनतांत्रिक रुख -कलाओं एवं साहित्य में प्रकृति के बदलते रूप जीवन की लयका लोप -पारिस्थितिक निराशावाद आकुलताएँ एवं व्याकुलताएँ-प्रकृति की ओर लौटने का संकल्प।

कृतिपाठ

1. अनाज पकन का समय : नीलोत्पल
2. गंगातट : ज्ञानेन्द्रपति

संदर्भग्रंथ

1. Environmental and Social Theory
2. Women Population and Global Crisis: A Political – Economic Analysis- A Bandar age
3. Rethinking Green Politics : Nature, Virtue and Progress
4. Human Nature
5. Society and Nature Towards a green social theory- P Dickens
6. Rational Ecology: Environmental and Political Economy
7. Environmentalism and Political theory toward on Economic approach, London 1992
8. Social theory and the Environment, Goldbalt. D
9. Green Political Theory, R Goodin

10. Varieties of Environmentalism: Essays North and South , Ed,. Guha, Zed Books
11. The Death of Nature, Merchant C, Harder and Row
12. Feminism and Ecology, Melton M
13. The Green Studies Reader, Laurence Coups
14. धरती की पुकार,सुन्दरलाल बहुगुणा।
15. बहुजन हिताय,अरुन्धती राय
16. हरित राष्ट्रीय,जार्ज के
17. हरित निरूपणम मलयालत्तिल,जी.मधुसूदन
18. The One –Straw Revolution,Manasanebu Fukouka
19. Natural way of Farming: The Theory and Practice of Green Philosophy, Manasanebu Fukouka
20. The Road back to Nature, Manasanebu Fukouka
21. Nature and Man : The Hindu Perspective, Stefano De Santis
22. Marx's Ecology, , John Bellary Foster
23. Eco Feminism, , John Bellary Foster
24. Water Wards, Privatization, Pollution and Profit, Vandana Siva
25. Marifesto on the Future of Food and Seed, Ed. , Vandana Siva
26. Globalisation and Environment, Martin Kohr
27. Gandhis's Challenge to Modern Sciences, Sunil Sahasrabudhey
Radical Ecology and Class Struggle, j. Shants

Elective Course for M.phil/

HINDI LITERATURE: COMMUNAL CONTEXT

हिंदीसाहित्य : सांप्रदायिकसंदर्भ

इकाई 1. धर्म की महत्ता – आध्यामिकता- नैतिकता – पिछडे एवं वर्ग बद्ध समाज में धर्म की भूमिका

इकाई 2. सांप्रदायिकता - इतिहास – उपनिवेशी सत्ता की साजिश - सांप्रदायिकता: एक राजनीतिक प्रक्रिया - अन्य की प्रतिष्ठा का विरोध – साप्रदायिकता का बदलता तेवर

इकाई 3. साप्रदायिकता एक विचार धारा - सांप्रदायिकता – विरोध की वैचारिकी – उदार समाज की परिकल्पना – धर्म निरपेक्षता

इकाई 4.

I. चुनी हुई कहानियाँ

1.	मलबे का मालिक	:	मोहनराकेश
2.	युटोपिया	:	वन्दनाराग
3.	पार्टीशन	:	स्वयंप्रकाश
4.	ज़ख्म	:	असगरवजाहत

II.'यह ऐसा समय है': सं. असद जैदी, विष्णुनागर,सहमत,8 विट्ठलभाई पटेल हाऊस, राफीमार्ग,नईदिल्ली।

1.	ईलू-ईलू	:	उदयप्रकाश
2.	भगोड़ों की कविता	:	ऋतुराज
3.	आस्थाकाप्रश्न	:	कात्यायनी
4.	क्रूरता	:	कुमारअंबुज
5.	चीख	:	कुमारविकल
6.	अयोध्या,1992	:	कुँवरनारायण
7.	अपराधी मैं	:	राजेशजोशी
8.	हमाराडर	:	राजेशजोशी
9.	अस्पताल के लाश में	:	ज्ञानेन्द्रपति

संदर्भग्रंथ

1. हिन्दुत्व का रहस्योद्घटन,वीरेन्द्र प्रकाश,राधा कृष्ण प्र. नई दिल्ली।
2. हिंदु होने का धर्म :प्रभात जोशी,राजकमल प्र.,नई दिल्ली।
3. गुजरात हादसे की हकीकत –सिद्धार्थ वरदराजन,वाणी,नई दिल्ली।
4. लोकतांत्रिक भारत या हिन्दू राष्ट्र-राम पुनियानी,वाणी,नई दिल्ली।
5. सांप्रदायिक राजनीति तथ्य एवं मिथक- राम पुनियानी,वाणी,नईदिल्ली।
6. सांप्रदायिकता के बदलते चेहरे-रमणिका गुप्ता, ,वाणी,नई दिल्ली।
7. अयोध्या और उससे आगे -सं. राजकिशोर,वाणी,नई दिल्ली।
8. हिंदू होने का मतलब-सं. राजकिशोर,वाणी,नई दिल्ली।
9. हिन्दुत्व की राजनीति-सं.राजकिशोर,वाणी,नई दिल्ली।
10. धर्म का दुखान्त-शंभुनाथ,आधार प्रकाशन,पंचकूला,हरियाणा।

11. ईश्वर और धर्म निरपेक्ष संस्कृति-शंभुनाथ,आधार,पंचकूला।
12. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद-ह्रदयनारायण दीक्षित,शिल्पाश्न,दिल्ली।
13. अयोध्या : 6 दिसंबर का सत्य-डी.बी. राय, सामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली।
14. हिन्दुत्व बनाम हिन्दुत्व-कमलेश्वर,सामयिक प्र.,नई दिल्ली।
15. सांप्रदायिकता के स्रोत-अभयकुमार दुबे,विनय प्रकाशन, दिल्ली ।
16. धर्म सत्ता और प्रतिरोध की संस्कृति-राजाराम भादू,राज कमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
17. संस्कृति की उत्तर कथा-शंभुनाथ,वाणी,नई दिल्ली।
18. इतिहास और संस्कृति-वीरेन्द्र मोहन,शिल्पायन,दिल्ली।
19. दंगेक्यों-राजेन्द्र मोहन भटनागर,विद्या पुस्तक सदन,जवाहर नगर।
20. धर्म और सांप्रदायिकता-नरेन्द्र मोहन,प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. बीच बहस में सेक्युलरवाद-अभय कुमार दुबे, वाणी,नई दिल्ली।
22. धर्म का मर्म-अखिलेश मिश्र,राजकमल प्रकाशन
23. उम्मीद होगी कोई-सरूप ध्रुव,राजकमल प्रकाशन
24. फासीवाद-अयोध्यासिंह,ग्रंथ शिल्पी प्र.दिल्ली।
25. सांप्रदायिकता :एक परिचय-विपनचंद्र,अनामिका प्र.दिल्ली।
26. भारत मेंअलगाववाद और धर्म-शम्सुल इस्लाम,वाणी,नई दिल्ली।
27. राष्ट्र और मुसलमान-नासिरा शर्मा,किता बघर,नई दिल्ली।
28. राष्ट्रवाद की चाकरी में धर्म-मधु पूर्णिमा किश्वर,वाणी
29. लोकतांत्रिक भारत का हिंदू राष्ट्र: संघ परिवार की राजनीति-राम पुनियानी, वाणी ।
30. निज ब्राह्म विचार-पुरुषोत्तम अग्रवाल,राजकमल
31. हिन्दुत्ववादी नाज़ीवाद-कमलेश्वर,मेधा बुक्स,दिल्ली।